4. आप देखते होंगे कि कुछ कचड़ा आसानी से सड़–गल जाता है और कुछ कचड़ा बहुत दिनों तक नहीं सड़ता है। इसकी भी एक सूची बनाइए।

सड़नेवाला कचड़ा	**नहीं सड़नेवाला कचड़ा**
---------------	--------------------
---------------	--------------------
---------------	--------------------
---------------	--------------------
---------------	--------------------

5. आप अपने घर से निकलने वाले कूड़े–कचड़े का निपटारा कहाँ करते है ?

————————————————————————————————————

————————————————————————————————————

6. कूड़े–कचड़े के निपटारे का सही तरीका क्या है ?

————————————————————————————————————

————————————————————————————————————

7. क्या आपने कूड़े–कचड़े के ढेर से कुछ लोगों को विभिन्न चीज़ों को इक्ट्ठा करते देखा है ? उन्हें ध्यान से देखिए और बताइए कि वे क्या–क्या इकट्ठा करते हैं?

--------------- --------------- ---------------

--------------- --------------- ---------------

8. इकट्ठा करने के बाद उन वस्तुओं का क्या किया जाता है? अपने शिक्षक से पता कर लिखिए।

————————————————————————————————————

————————————————————————————————————

————————————————————————————————————

————————————————————————————————————

9. क्या इन कचड़ों को पुनः उपयोग के लायक बनाया जा सकता है ?

————————————————————————————————————

————————————————————————————————————

10. कौन–कौन सी ऐसी सामग्री है, जिससे पुनः अन्य चीज़ें बनाई जा सकती हैं?

____

____

11. आप अपने आस–पास एवं विद्यालय को साफ–सुथरा रखने हेतु कौन–कौन से कार्य करेंगे ? लिखिए।

____

____

____

12. कुछ खास पर्व–त्योहार के अवसर पर साफ–सफाई का विशेष ध्यान रखा जाता है। उस समय कूड़ा–कचड़ा कम दिखाई देता है। उनके नाम लिखिए।

____

____

कूड़े–कचरे का नियंत्रण

- कचड़ा उत्पन्न करनेवाली चीज़ों का कम उपयोग।
- बाजार से सामान लाने के लिए कपड़े के थैले का प्रयोग।
- दुबारा उपयोग में लाए जा सकनेवाली चीजों का पुनः उपयोग।
- गलने–सड़नेवाले कूड़–कचड़े को गड्ढे में डालकर मिट्टी से ढँक देना।
- घर एवं विद्यालय के कचड़े को डस्टबीन में एकत्र कर उचित जगह पर कूड़ादान या गड्ढा में डालना।
- पुनः चक्रण हेतु प्लास्टिक, पॉलिथिन, सीसा, लोहा, कागज आदि को एकत्रित करना।
- सब्ज़ियों के छिलके, बासी भोजन, चोकर, चावल के कण आदि जानवरों को देना।

बच्चों ने तय किया कि हम अपने घर, गली, एवं विद्यालय की सफाई मिल–जुलकर करेंगे।

पाठ 16

मीठा-मीठा शहद

सोनी, मोनी, राजेश और नन्दन बगीचे में घूम रहे थे। अनायास सोनी की नजर आम के पेड़ के ऊपर लगे मधुमक्खी के छत्ते पर पड़ी।

उसने कहा–अरे ! कितना बड़ा छत्ता है। सभी बच्चे उधर ही देखने लगे। छत्ते के आस–पास मधुमक्खियाँ मँडरा रही थीं। राजेश बोला–सँभलकर रहना, ये मधुमक्खियाँ काट भी सकती हैं। मोनी ने कहा– ये सिर्फ काटती ही नहीं, हमें खाने को मीठा और पौष्टिक शहद भी देती हैं।

1. (i) क्या आपने मधुमक्खियाँ देखी हैं? ——————————————————

   (ii) आपने इन्हें कहाँ–कहाँ देखा है? ——————————————————

   ——————————————————————————————

2. (i) क्या आपने कभी मधुमक्खियों का छत्ता देखा है? ————————————

   (ii) चित्र में बने मधुमक्खियों के छत्ते को ध्यान से देखिए। क्या इसमें कोई विशेष आकार बार–बार आ रहा है? इस आकार का चित्र यहाँ बनाइए।

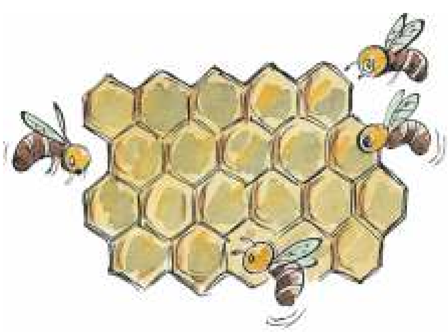

नन्दन ने कहा– मधुमक्खियाँ हमारे लिए बहुत उपयोगी हैं। हमें इनके बारे में जानना चाहिए।

सोनी बोली– पास ही उमा दीदी रहती हैं जो मधुमक्खी पालन करती हैं। चलो, उनसे मधुमक्ख्यिों के बारे में पता करें।

सभी बच्चे उमा दीदी के पास पहुँच गए। उमा दीदी ने उनका स्वागत करते हुए पूछा– बच्चो, आज सबेरे–सबेरे कैसे आना हुआ?

सोनी ने कहा– हम मधुमक्खियों के बारे में जानना चाहते हैं।

उमा दीदी ने कहा– मधुमक्खी अत्यन्त ही उपयोगी जीव है, हजारों वर्षो से इनसे शहद और मोम से प्राप्त करता रहा है।

राजेश ने पूछा– मधुमक्खियाँ, शहद और मोम कैसे बनाती हैं?

उमा दीदी ने बताया कि छत्तें में मादा श्रमिक मधुमक्खियाँ होती हैं जो फूलों से रस चूसकर शहद बनाती हैं। इनके पेट से ही मोम निकलता है।

नन्दन ने पूछा–क्या छत्तों में मादा श्रमिक मधुमक्खियों के अतिरिक्त और तरह की मधुमक्खियाँ होती हैं?

उमा दीदी बोली – हाँ, हाँ, छत्ते में तीन तरह की मधुमक्खियाँ होती हैं।सबसे बड़े आकार की रानी मधुमक्खी तथा सबसे छोटे आकारवाली मादा श्रमिक मधुमक्खियाँ होती हैं तथा मध्यम आकार के कुछ नर मधुमक्खी भी होते हैं।

मोनी ने पूछा– ये मधुमक्खियाँ क्या क्या काम करती हैं ?

उमा दीदी ने कहा– रानी मधुमक्खी ही एकमात्र अंडे देनेवाली मधुमक्खी होती है। इसके द्वारा छत्ते की सभी मादा श्रमिक एवं नर मक्खियों का जन्म होता है। मादा श्रमिक मधुमक्खियाँ छत्तों का निर्माण करती हैं जबकि नर मधुमक्खी संतान उत्पन्न करने में सहयोग करते हैं।

बच्चे अभी बात कर ही रहे थे कि उन्हें आकाश में गोल–गोल चक्कर में घूमती मधुमक्खियों की भिन–भिनाहट सुनाई दी। नन्दन ने कहा– दीदी ऊपर देखिये, मधुमक्खियाँ।

उमा दीदी बोली– ये मादा श्रमिक मधुमक्खियाँ हैं। इन्हें फूलों के रस के बारे में पता चला है जिसकी सूचना वे अपने सहयोगी मधुमक्खियों को विशेष प्रकार से नाचकर भेज रही हैं। इनके संकेत को समझकर शेष श्रमिक मादा मधुमक्खियाँ फूलों का रस चूसने चली जाएँगी।

3. क्या आपने कभी मधुमक्खियों को नाचते देखा है?

____

4. पता कीजिए, मधुमक्खियाँ नाचते समय किस तरह की रचना बनाती हैं?

____

____

5. नीचे दी गई जगह में मधुमक्खी का चित्र बनाइए और उसमें रंग भरिए।

सोनी ने उमा दीदी से पूछा– दीदी मधुमक्खियाँ किस प्रकार पाली जाती हैं?

उमा दीदी बगीचे में पड़े बक्से को दिखाते हुए बोली–लकड़ी के एक आयाताकर बक्से में मधुमक्खियाँ पाली जाती हैं। बक्से की दीवारों में छिद्र होते हैं। जिसके द्वारा मधुमक्खियाँ अन्दर–बाहर जा सकती हैं। इसके ढक्कन एवं दीवारों को सरकाया जा सकता है। बक्से के अन्दर लकड़ी या प्लास्टिक के सरकनेवाले खाँचे बने होते हैं तथा नीचे की ओर रानी मधुमक्खी का रहने का स्थान बना होता है। मधुमक्खियाँ बक्से के अन्दर अपने छत्ते का निर्माण करती हैं।

राजेश ने पूछा– इस बक्से से शहद कैसे निकालते हैं? क्या शहद निकालने से छत्ता टूट नहीं जाता है?

उमा दीदी बोली– इस बक्से के ढक्कन को सरका दिया जाता हैं तथा एक हैन्डिल (हत्थे) की सहायता से इसके भीतरी हिस्से को घुमाया जाता है। जिससे शहद रिसकर नीचे की ओर निकल जाता है तथा छत्ते को कोई क्षति नहीं पहुँचती है।

मोनी ने पूछा– क्या शहद निकालने के समय मधुमक्खियाँ काटती नहीं हैं।

उमा दीदी ने बताया कि शहद निकालते समय विशेष प्रकार के पोशाक से पूरे शरीर को ढँक दिया जाता है। कुछ लोग कम्बल भी ओढ़ लेते हैं। बचाव का उपाय करने के बाद भी कभी–कभी मधुमक्खियाँ काट लेती हैं।

नन्दन– दीदी शहद का हम लोग क्या–क्या उपयोग करते हैं?

उमा दीदी– शहद खाने के काम में आता है। इसका उपयोग दवाइयों के रूप में किया जाता है।

सोनी– दीदी, शहद बाजार में कैसे बिकता है?

उमा दीदी– हमारे जैसे शहद उत्पादक 100 से 125 रुपये प्रति किलोग्राम शहद बेचते हैं। लेकिन दुकानों में 250 से 300 रुपये प्रति किलोग्राम शहद बिकता है?

राजेश– दीदी, आपका बहुत–बहुत धन्यवाद। आपने हमें मधुमक्खियों के बारे में बहुत सारी बातें बताईं।

उमा दीदी– अब चलो, मैं तुम लोगों को शहद खिलाती हूँ।

6. पता कीजिए, आपके यहाँ शहद कैसे मिलता है?

   ____

7. क्या आपके यहाँ कोई मधुमक्खी पालन करता है?

   ____

8. क्या आप मधुमक्खी पालन का व्यवसाय अपनाना चाहेंगे? क्यों?

   ____

   ____

   ____

   ____

9. मधुमक्खियाँ कितने तरह की होती हैं?

____

10. श्रमिक मधुमक्खियाँ कौन–कौन से काम करती हैं?

____

____

11. मधुमक्खियों के छत्ते में अंडे देने का काम कौन सी मधुमक्खी करती हैं?

____

12. मधुमक्खियों का पालन कैसे किया जाता है?

____

____

13. आप अपने घरों में शहद का उपयोग कहाँ–कहाँ करते हैं?

____

____

14. इनके अलावा शहद का उपयोग किन–किन कामों में होता है?

____

____

पाठ 17

तरह-तरह के पक्षी

आपने आस–पास कई तरह के पक्षी देखे होंगे। कुछ पक्षी बड़े होते हैं, तो कुछ छोटे। कुछ रंग–बिरंगे, तो कुछ एक ही रंग के। उनके घोंसले , भोजन आदि में भी कितने अंतर होते हैं। इस पाठ में हम पक्षियों के बीच के अन्तरों को और थोड़ा ध्यान से देखने की कोशिश करेंगे।

तरह–तरह की चोंच

1. क्या सभी पक्षियों की चोंच होती है? ——————————————————————

2. नीचे कुछ पक्षियों की चोंच बनी है। उनके सामने अलग–अलग खाने की चीज़ों के नाम लिखे हैं। आपके अनुसार कौन सी चोंचवाला पक्षी क्या खाता होगा? मिलान कीजिए।

नाम	भोजन
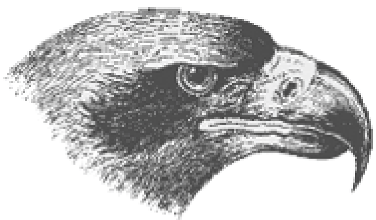	फल और बीज
	मछली
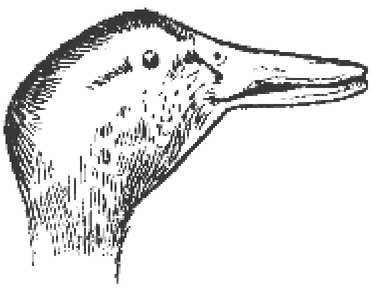	मांस

पक्षी की चोंच से हमें उसके खाने की आदतों के बारे में पता लगता है।

कुछ पक्षियों की चोंच ऐसी होती है। ये फल और बीज चुगकर खाते हैं।

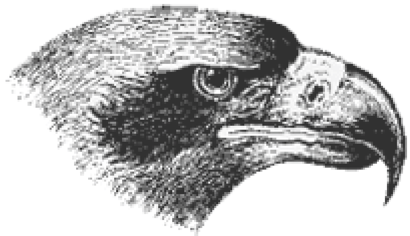

ऐसी चोंच मांस को चीरने–फाड़ने में काम आती है। ये चोंच मांस खानेवाले पक्षियों की है।

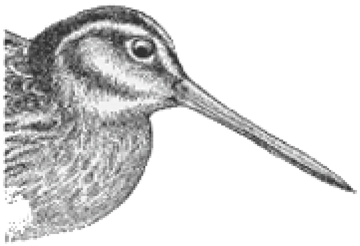

कुछ पक्षी मिट्टी में से कीड़े खोदकर निकालते हैं। उनकी चोंच ऐसी होती है।

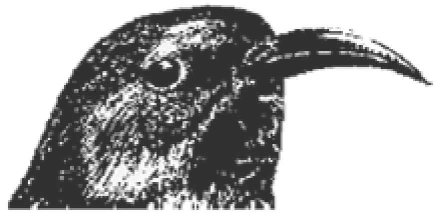

कुछ पक्षी फूलों का रस पीते हैं उनकी चोंच ऐसी होती है।

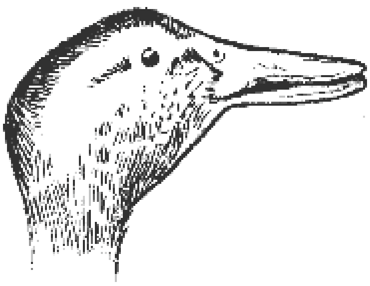

कुछ पक्षी मछली खाते हैं। मछली पकड़ने और मिट्टी निथारने के लिए इनको ऐसी चोंच की ज़रूरत होती है।

और ये है तोते की चोंच। इससे वह कड़े बीज भी फोड़ लेता है।

3. सभी पक्षियों की चोंच एक जैसी क्यों नहीं होती?

____

तरह–तरह के पंजे

सब पक्षियों के पंजे भी, चोंच की तरह एक जैसे नहीं होते हैं। पंजों की बनावट से पक्षियों के वास स्थान का पता लगाया जा सकता है।

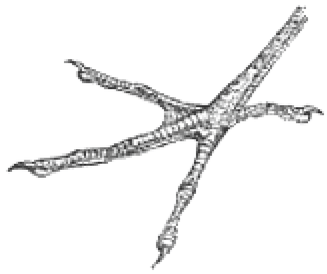

ऐसे पंजे पेड़ की डाली पर बैठने के लिए।

ऐसे पंजे पानी में तैरनेवाले पक्षियों के होते हैं।

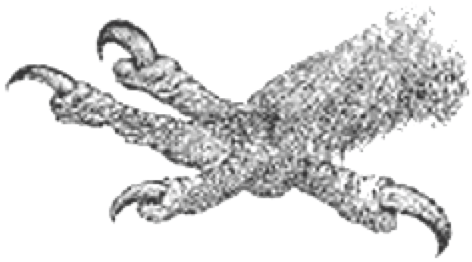

और ये पंजे शिकार पकड़ने के लिए

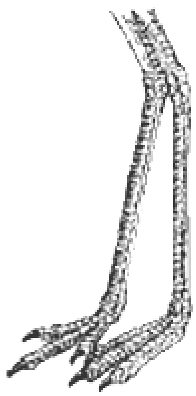

और ये पंजे ज़मीन पर चलने के लिए।

4. पक्षियों के पंजों की बनावट में अन्तर क्यों होता है?

____

____

____

____

5. यहाँ हम कुछ पक्षियों के चित्र दे रहे हैं। उनके चोंच और पंजे ध्यान से देखिए। बताइए कि वे क्या खाते होंगे और कहाँ–कहाँ रहते होंगे?

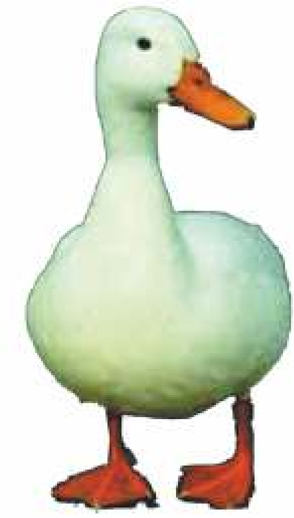

6. अपने आस–पास दिखनेवाली पाँच चिड़ियों को ध्यान से देखिए और नीचे बनी सारणी भरिए।

क्र.स.	पक्षी का नाम	रंग	चोंच	पंजे	क्या खाते हैं ?
1.					
2.					
3.					
4.					
5.					

7. पहेली समझ कर पक्षी का नाम लिखिए तथा चित्रों के साथ मिलान कीजिए।

चित्र	पहेली
	सुंदर–सुंदर कलगी मेरी, खींचती है सबका ध्यान, चोंच मेरी ताकतवर है, पेड़ छेदना मेरा काम। मैं हूँ : ....
	लम्बी टाँगों पर खड़ी रहती हूँ इधर–उधर देखती रहती हूँ, छूरी जैसी चोंच है मेरी मार लेती हूँ मेंढ़क–मछली। मैं हूँ : ....
	सबसे पहले मैं ही जागता दूसरों को फिर मैं जगाता, सुबह से जब तक हो शाम दाना चुगना मेरा काम। मैं हूँ : ....

पाठ 18

जंगल में पिकनिक

जंगल में है चहल-पहल,
पिकनिक का है शोर,
बिल्ली बैठी घोड़े पर,
चली जंगल की ओर।

चींटी रानी चीनी लाई,
गाय ने दी दूध-मलाई,
चिड़िया ने चावल के संग
मीठी खीर खूब पकाई।

भालू ने जब थाल सजाया,
सजकर बंदर मामा आया,
हिरण-शेर-खरहा-गीदड़,
जमकर सबने भोग लगाया।

खूब खाये हाथी दादा,
पेट में तब आई बाधा,
चूहे ने इलाज बतलाया,
गरम-गरम पानी पिलवाया।

1. जंगल में जानवरों ने पिकनिक मनाई। यदि आप अपने दोस्तों के साथ पिकनिक पर जाएँगे तो क्या–क्या करेंगे?

____

____

____

2. (i) इस कविता में बहुत से जानवरों के नाम आए हैं। इनके नाम लिखिए। अगर आप और जानवरों के नाम जानते हैं, तो वे भी लिखिए।

_____________ _____________ _____________

_____________ _____________ _____________

_____________ _____________ _____________

_____________ _____________ _____________

_____________ _____________ _____________

(ii) कुछ जानवर केवल जंगल में रहते हैं। कुछ को हम पालते हैं। कविता में आए जानवरों में से कौन से जानवर जंगली हैं और कौन पालतू हैं?

क्र.सं.	जंगली	पालतू
1.		
2.		
3.		
4.		
5.		
6.		

3. (i) कविता में बिल्ली ने घोड़े की सवारी की है। क्या आपने किन्हीं जानवरों की सवारी की है? यदि हाँ, तो उनके नाम लिखिए।

____

(ii) कुछ जानवर सवारी के काम आते हैं, कुछ सामान ढोने के तथा कुछ दोनों के। इन जानवरों का नाम तालिका में लिखिए।

क्र. सं.	सवारी के काम आनेवाले जानवर	सामान ढोने के काम आनेवाले जानवर	दोनों के काम आनेवाले जानवर
1.			
2.			
3.			
4.			

4. चित्र के नीचे गाड़ियों के नाम लिखिए।

____

____

____

5. आपने इनमें से किन–किन गाड़ियों पर सवारी की है?

____

6. सवारी के अलावा आप इन पशुओं का इस्तेमाल किन–किन कार्यों में करते हैं?

____

____

एक दिन लवली अपने स्कूल से घर जा रही थी। रास्ते में उसने देखा कि एक बैलगाड़ी पर बहुत सारा सामान लदा हुआ है। बैलगाड़ी के दोनों बैलों को इतना सामान खींचकर ले जाने में बहुत तकलीफ हो रही थी। लवली यह देखकर उदास हो गई और सोचने लगी, गाड़ीवान उनके साथ कैसा सलूक कर रहा है।

7. आपने कभी किसी पशु के साथ इस तरह का व्यवहार होते देखा है? आपको कैसा लगा?

____

____

लवली ने घर जाकर माँ को सारी बातें बताईं। माँ ने कहा, "उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए। लेकिन सभी लोग उस गाड़ीवान जैसे नहीं होते हैं। कुछ लोग अपने पशुओं की देखभाल बहुत अच्छी तरह से करते हैं।"

8. जो लोग पशुओं को पालते हैं और उनसे काम लेते हैं, वे उनकी देखभाल कैसे करते है?

____

____

____

____

____

____

____

लवली की माँ ने बताया कि कुछ जानवरों के पैरों की सुरक्षा के लिए उनके पैरों के खुरों में नाल भी ठोका जाता है।

9. (i) यदि घोड़े के खुरों में नाल नहीं लगाई जाए तो क्या होगा?

____

(ii) किन–किन पशुओं के पैरों में नाल लगाए जाते हैं?

____

____

10. पालतू जानवरों में से कुछ जानवर आपके नज़दीक रहना पसंद करते हैं? इनके नाम लिखिए।

____________ ____________ ____________

____________ ____________ ____________

11. कुछ जानवर बेहद शर्मीले होते हैं। इनके नाम लिखिए।

____________ ____________ ____________

मीकू बंदर की कहानी

मीकू नाम का छोटा बंदर अपने पूरे परिवार के साथ घने जंगल में रहता था। वह हर समय उधम मचाता रहता था। एक बार वह घूमते–घूमते एक गाँव में पहुँच गया। उसने एक बच्चे के हाथ से रोटी छीन ली। बच्चा डरकर रोने लगा। तभी वहाँ पर गाँव के अन्य बच्चे भी आ गए। बहुत सारे बच्चों को देखकर मीकू बंदर डर गया। उसी समय, मीकू को खोजते–खोजते उसके समूह के अन्य बंदर आ गए। एक वृद्ध बंदर ज़ोर से खिखियाया। बंदरों के समूह से डरकर सभी बच्चे भाग गए। मीकू

बंदर दौड़कर अपनी माँ की गोद में सिमट गया। वृद्ध बंदर के इशारा करते ही सभी बंदर आम और जामुन के बगीचे में चले गए।

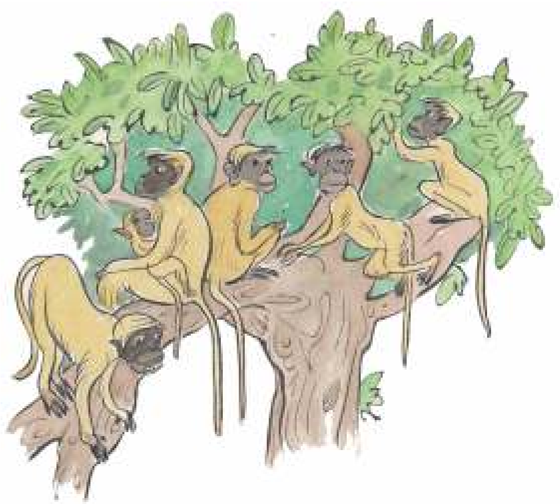

12. (i) बच्चों से मीकू बंदर की रक्षा किसने की?

____

(ii) किसके इशारे पर सभी बंदर बगीचे में चले गए?

____

13. यदि आपको कभी मौका मिले तो बंदरों के समूह को ध्यान से देखिए और उनके क्रियाकलापों को लिखिए।

____

____

14. बंदर की तरह और बहुत से जानवर समूह में रहते हैं। इनके नाम लिखिए।

____________ ____________ ____________

____________ ____________ ____________

15. जानवरों के अलावा कुछ छोटे–छोटे जीव एवं पक्षी भी समूह में रहते हैं। इनके नाम लिखिए।

____________ ____________ ____________

____________ ____________ ____________

16. पशु–पक्षियों और अन्य जीवों को समूह में रहने के क्या फायदे होते हैं? लिखिए।

____

____

____

____

____

____

____

17. (i) क्या आप अकेले रहते हैं या समूह में?________________________

(ii) आप किसके साथ रहते हैं? आपको इसके क्या फायदे लगते हैं?

____

____

18. जो जानवर समूह में नहीं रहते हैं, उनके नाम लिखिए।

_____________ _____________ _____________

_____________ _____________ _____________

परियोजना कार्य

1. **जो जानवर समूह में रहते हैं उनके चित्र इकट्ठा कीजिए और उन्हें कॉपी में चिपकाइए।**
2. **अपने मन पसंद जानवर का चित्र बनाइए और उसे कक्षा में टाँगिए।**

पाठ 19

ककोलत से कन्याकुमारी

गर्मी की छुट्टियो में नन्ही, अंकुर, मान्या और स्वीटी अपने दोस्तों के साथ नवादा जिले में स्थित ककोलत घूमने आये थे। यहाँ पहाड़ों के ऊपर से वर्ष पर्यन्त एक झरना बहता रहता है। दूर–दूर से हज़ारो लोग उस झरने में स्नान करने आते हैं। सभी बच्चों को नहाने में बहुत मजा आ रहा था। नन्ही बोली–इस ठंडे पानी से मुझे निकलने की इच्छा ही नहीं हो रही है। मान्या ने कहा–ज्यादा नहाओगी तो इस गर्मी में भी तुम्हें सर्दी लग जाएगी। स्वीटी बोली–घर पर मैं कुएँ या चापाकल के पानी से नहाती हूँ। कभी–कभी पास के तालाब पर भी चली जाती हूँ। अंकुर ने कहा–मुझे तो नदी में नहाना बहुत अच्छा लगता है।

ककोलत झरना का चित्र

1. आप भी कभी–कभी घर से बाहर स्नान करने जाते होंगे। बताइए आप कहाँ स्नान करने जाते हैं ?

   ____

   ____

स्वीटी पिछली सर्दियों में अपने भैया–भाभी के साथ राजगीर गई थी। वहाँ गर्म जल के छोटे–छोटे झरने एवं कुण्ड हैं। सर्दियों में गर्म पानी के झरने या कुण्ड में स्नान करने का मजा ही कुछ और है।

राजगीर ब्रह्म कुण्ड एवं सप्तधारा का चित्र

2. अगर आस–पास में कहीं गर्म या ठंडे पानी की झरना या कुण्ड है तो उसका नाम लिखें।

गर्म पानी का झरना या/कुण्ड	ठंडा पानी का झरना/कुण्ड

3. हमारे आस–पास झरनों और कुण्डों के अतिरिक्त पानी के बहुत सारे भंडार हैं। क्या आप पानी के भंडारों के नाम बता सकते हैं ?

______________________ ______________________

______________________ ______________________

______________________ ______________________

अंकुर ने बतलाया मेरा दोस्त इशु अपने माता–पिता के साथ अपने देश के सुदुर दक्षिण कन्याकुमारी घूमने गया था। उसने बतलाया कि कन्याकुमारी हिन्द महासागर के तट पर है। हिन्द महासागर पानी का बहुत बड़ा भंडार है। दूर–दूर तक सिर्फ पानी ही पानी है। तट पर खड़े होकर सामने देखने से दूसरा किनारा, कहीं दिखाई नहीं देता है।

कन्याकुमारी

मान्या बोली–इशु ने यह भी कहा था कि समुद्र के अन्दर शंख, सीप, केकड़ा, आदि भी पाये जाते हैं। समुद्र के अन्दर या उसके आस–पास के पौधे भी कुछ अलग तरह के होते हैं।

नन्ही ने कहा– हमारे यहाँ भी तो नदियों तालाबों में अनेक जीव जन्तु तथा पौधे पाये जाते हैं।

4. आप भी किसी जल स्रोत यथा, नदी, तालाब आहर आदि के निकट अपने मित्रों के साथ जाइये और उसमें पाये जाने वाले जीव–जन्तुओ एवं पौधों की सूची बनाइए।

जल स्रोत का नाम	जीव–जन्तु	पौधे

स्वीटी ने कहा—पानी हमारे लिए बहुत उपयोगी है। यह हमारी प्यास बुझाता है, हम इससे नहाते हैं। अपना भोजन बनाते हैं।

5. क्या आप बता सकते हैं पानी का किन—किन कामों में उपयोग करते हैं?

___________ ___________ ___________

___________ ___________ ___________

___________ ___________ ___________

अंकुर ने कहा गंगा—दशहरा के समय में अपने माता—पिता के साथ गंगा स्नान करने पटना गया था। गंगा का पवित्र पानी मल—मूत्र, कूड़े—कचड़े से काफी गन्दा लग रहा था। मेरा नहाने का उत्साह ही समाप्त हो गया।

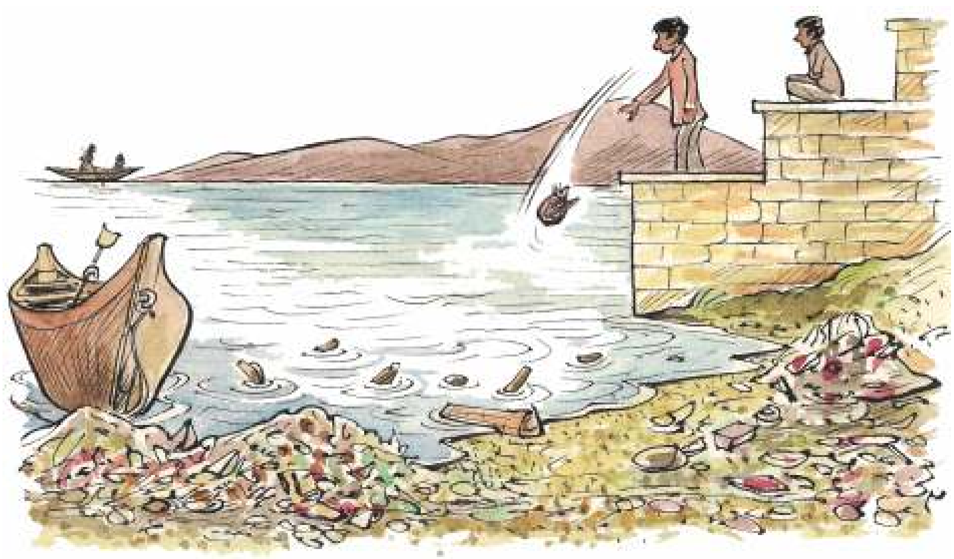

प्रदूषित गंगा

मान्या बोली—यह सच है कई लोग पानी में कूड़ा—करकट, पालीथीन, कपड़ा आदि फेंककर उसे प्रदूषित कर देते हैं।

6. क्या आपके आस—पास में जल स्रोत को भी लोग प्रदूषित कर देते हैं?

____

____

7. जल स्रोत के निकट जाकर पता लगायें किन—किन कारणों से जल प्रदूषित हो रहा है?

__________________ __________________

____________________ ____________________

____________________ ____________________

स्वीटी बोली–गन्दा पानी हमारे किसी काम का नहीं है। न तो इसे हम पीने के उपयोग में ला सकते न इससे भोजन बना सकते है।

अंकुर ने कहा–हमारी शिक्षिका कह रही थीं कि गन्दा पानी पीने से लोग बीमार हो जाते हैं। उन्हें हैजा, पेचिस, पीलिया आदि कई तरह की बीमारियाँ हो जाती हैं।

8. आप भी अपने शिक्षकों से पूछकर पता कीजिए कि प्रदूषित पानी पीने से कौन–कौन सी बीमारियाँ होती हैं ?

____________________ ____________________

____________________ ____________________

____________________ ____________________

____________________ ____________________

9. अपने मित्रों के साथ जल स्रोतों को प्रदूषित होने से बचाने के उपायों पर चर्चा कीजिए? और उन्हें लिखिए।

____

____

____

____

मान्या बोली जो जल इतना ज्यादा महत्त्वपूर्ण है हमें उसे न केवल प्रदूषित होने से बचाना चाहिए बल्कि यह हमेशा उपलब्ध रहे इसके प्रति भी सचेत रहना चाहिए।

अंकुर ने कहा जल हमारी सबसे बड़ी ज़रूरत है। इसके बिना खाना–पीना क्या जीना भी मुश्किल है। हमें बेवजह जल को बर्बाद करने की आदत से बचना चाहिए।

10. क्या आप बता सकते हैं हमारे आस–पास कैसे–कैसे पानी बर्बाद होता है?

विद्यालय में ____

घर में ____

मोहल्ले में ____

11. जल की बर्बादी रोकने के लिए हम लोग कौन–कौन से कदम उठा सकते हैं?

____

____

____

आइए कुछ करें–

12. आप दो रूमाल लेकर भिगो लीजिए। एक रूमाल को धूप में डाल दें तथा दूसरे को छाया में रख दें। एक घंटे के बाद दोनों रूमालों में क्या परिवर्तन हुआ? बताइए।

धूप में रखा रूमाल ____

छाया में रखा रूमाल ____

13. धूप में रखे रूमाल का पानी कहाँ चला गया? सोचकर बताइए।

____

____

____

दो काँच के गिलास लीजिए। एक में गर्म पानी और दूसरे में बर्फ वाला पानी डालिए। थोड़ी देर बाद देखिए और बताइए।

14. क्या गिलास की बाहरी सतह में कोई परिवर्तन दिखाई दिया? क्या परिवर्तन हुआ?

____

____

15. क्या गिलास की बाहरी सतह पर दिखनेवाला पानी गिलास की सतह को छेदकर बाहर आ गया? सोचिए।

____

____

____

16. अगर आप के यहाँ दाल या चावल पक रहा हो तो देखें कि भाप निकल रहा होगा। उड़ते हुए भाप के ऊपर एक स्टील का प्लेट लाइए तथा थोड़ी देर रखकर वापस हटा लीजिए। प्लेट की सतह पर कुछ दिखाई देता हैं क्या? लिखिए।

____

____

____

17. प्लेट की सतह पर पानी की बूँदें कहाँ से आईं ?

____

____

____

मान्या के शिक्षक ने बताया था कि धूप या गर्मी से पानी भाप बनकर ऊपर उठ जाता है। बहुत सारी भाप जब ऊपर में मिलती हैं तो बादल बन जाते हैं। वही बादल ठंडे होकर पानी बरसाते हैं।

18. आप अपने शिक्षक से पता कीजिए कि पानी के भाप बनकर उड़ने एवं बादल बनकर बरसने की क्रिया हमेशा चलती रहती है क्या?

____

____

____

पानी की खासियत–

19. हम लोगों ने पानी के भाप बनने और गिलास की सतह पर पानी के जमा होने की खूबियों को जाना है। पानी की अन्य कई खूबियाँ हैं। यह अपने में कुछ चीज़ों को घोल लेता है तो कुछ को नहीं। कुछ चीज़ें इसमें तैरती हैं तो कुछ डूब जाती हैं। बताइए–

(क) क्या पानी का कोई स्वाद होता है? ______________________________

(ख) क्या पानी में गंध होती है? ___________________________________

(ग) पानी की उन खूबियों को लिखिए जिन्हें आप जानते हैं।

____

____

____

पाठ 20

हमारे मददगार - कामगार

तन पर तेरे कपड़े सुंदर,
बोलो कहाँ से आया,
काट-छाँटकर तेरे लायक,
किसने इसे बनाया?

लड्डू-पेड़ा और रसगुल्ला,
खाकर करते हल्ला-गुल्ला,
तुमने खाई ढेरों मिठाई,
अब बतलाओ, किसने बनाई?

चूड़ी, नेकलेस, टीका, हार,
सुन्दर तन सजाता कौन,
पायल, बिछिया, बेसर जैसा,
सुन्दर गहना गढ़ता कौन?

जिस मेज पर लिखते तुम,
खाट-पलंग पर सोते तुम,
इनको कौन बनाता है
उसका नाम सुझाओ तुम

1. पिछले पृष्ठ पर लिखी पहेलियों को पढ़िए। इन पहेलियों में छुपे कामगारों को पहचानिए और उनके नाम लिखिए।

______________________ ______________________

______________________ ______________________

2. आपके पास–पड़ोस में भी बहुत से कामगार होंगे। उनसे जानकारी प्राप्त कर, नीचे की सारणी में लिखिए।

क्र.सं.	कामगार	किन औज़ारों का प्रयोग करते हैं?	क्या–क्या बनाते हैं?
1.	कुम्हार		
2.	लोहार		
3.	मोची		
4.	बढ़ई		
5.	दर्ज़ी		
6.	ठठेरा		
7.	सोनार		
8.	हलवाई		

सारणी में दिए गए कामगारों के अलावा हमारे आस–पास में और भी बहुत से कामगार रहते हैं। ये कामगार अपने काम से हमें लाभ पहुँचाते हैं। उदाहरण के लिए– पत्तल बनानेवाले, भूजा भूजनेवाले इत्यादि।

3. ऐसे विभिन्न प्रकार के कार्यों और उन्हें करनेवालों को क्या कहते हैं? सूची में लिखिए।

क्र.सं.	काम	काम करनेवाले का नाम
1.		
2.		
3.		
4.		

कामगारों की एक–दूसरे पर निर्भरता

जिस तरह हम कामगारों पर निर्भर होते हैं, उसी तरह कामगार भी एक दूसरे पर निर्भर होते हैं। किसान खेतों में अनाज, फल और सब्जियाँ पैदा करते हैं। इसके अलावा कपास, पटसन, ईख इत्यादि की भी खेती करते हैं। इनसे बहुत प्रकार की उपयोगी चीज़ें बनाते हैं।

4. इस सारणी को पूरा कीजिए।

क्र.सं.	किसान द्वारा उपजाई गई वस्तुएँ	कामगार द्वारा तैयार की गई वस्तुएँ
1.	पटसन	बोरा, थैला, चटाई, रस्सी
2.	ईख	
3.	सरसों	
4.	फूल	
5.	कपास	

इसी तरह किसानों को भी फसल उपजाने के लिए विभिन्न प्रकार के औज़ार, खाद, बीज और पानी की ज़रूरत होती है।

5. किसानों के उपयोग में आनेवाली वस्तुओं और उन्हें बनानेवाले कामगार का नाम नीचे सारणी में लिखिए?

क्र. सं.	विभिन्न प्रकार की वस्तुएँ	उपयोग	वस्तुओं को बनानेवाले कामगार
1.	खुरपी		
2.	कुदाल		
3.	डलिया		
4.	हल		
5.	रस्सी		
6.	कुल्हाड़ी		

6. यदि इन औज़ारों को बनानेवाले इन्हें बनाना बंद कर दें तो एक किसान को क्या–क्या कठिनाइयाँ होंगी?

____

____

____

____

7. यदि किसान अनाज पैदा नहीं करें तो इन औज़ारों के बनानेवालों को क्या परेशानियाँ होंगी?

____

____

____

____

8. यदि आपके गाँव में नाई नहीं होता तो क्या होता?

____

____

9. यदि आपके गाँव में लुहार–बढ़ई नहीं होते तो क्या होता?

____

____

____

10. कामगार और किसान एक दूसरे की मदद किस प्रकार करते हैं? लिखिए।

____

____

____

11. आज हमारे किसान खेती के साथ–साथ अन्य कई काम भी करते हैं। जिसमें उनके परिवार के लोग उसकी मदद करते हैं। आपके गाँव में दूध बेचनेवाले भी होंगे, उनसे मिलिए और पूछिए कि वे दूध क्यों बेचते हैं?

____

____

12. आपके आस–पास गाय–भैंस के अलावा भी जिन पशु–पक्षियों को व्यावसायिक उपयोग के लिए पाले जाते हैं। उनकी एक सूची बनाइए।

___________ ___________ ___________

___________ ___________ ___________

13. यदि तुम्हारे आस–पास ऐसे काम करनेवाले हैं तो उस जगह पर जाइए और पता लगाइए–

(i) वहाँ किस पशु या पक्षी का पालन किया जा रहा है।

____

(ii) उन्हें कहाँ रखा जाता है?

____

(iii) उन्हें खाना के रूप में क्या–क्या दिया जाता है?

____

(iv) उनके रहने के लिए विशेष रूप से क्या व्यवस्था की गई है?

____

(v) यदि पशु बीमार पड़ते हैं तो वह पशुपालक क्या करता है?

____

(vi) वह अपने तैयार चीज़ों को कहाँ और किनके पास बेचते हैं?

____

14. कामगार काम करने के लिए जा रहे थे। यात्रा के क्रम में सभी लोगों का सामान मिल गया। उन्हें सामानों तक पहुँचाइए।

दवाइयाँ	आरी
मोची का त्रिकोना (नौरंगा)	हथौड़ा
टेप(फीता)	घड़ा
टकुआ	ब्रश
कुदाल	कैंची
वर्मा कमानी	सुराही
सिलाई मशीन	इंजेक्शन

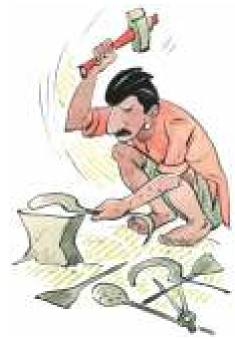

पाठ 21

तरह-तरह के घर

पवन और सोनम घर बनाने का खेल, खेल रहे थे। उन्होंने दो बड़ी छतरियों को खोल रखा था। पवन उन छतरियों को एक पुरानी चादर से ढँकने की कोशिश कर रहा था। सोनम दोनों छतरियों को पकड़े हुए उनके बीच बैठी थी। जब उसे लगा कि उसका घर बन गया है तो उसने छतरियों से अपने हाथ हटा लिए। लेकिन ये क्या! अचानक सब कुछ हिला और ढेर हो गया। छतरियाँ और चादर, दोनों सोनम के ऊपर गिर पड़े।

पवन ने पूछा, ''सोनम, तुम्हें चोट तो नहीं लगी?''

सोनम ने कहा, ''नहीं, लेकिन पवन, हमें इससे मज़बूत घर की ज़रूरत है।''

''तुम सही कह रही हो सोनम,'' पवन ने कहा ''इतना बड़ा घर जिसमें हम दोनों आराम से बैठ सकें और जो न गिरे।'' तभी दादाजी आकर उनके पास बैठ गए और बोले, ''लोग तरह–तरह के घर बनाते हैं। उनका घर मज़बूत रहे इसका भी वे पूरा ध्यान रखते हैं।''

1. आपके आस–पास किस–किस तरह के घर हैं? (✓) का निशान लगाकर बताइए–

   (i) मिट्टी और पत्थर के बने घर

   (ii) ईंट और सीमेंट के बने कच्ची छतवाले घर

   (iii) ईंट और सीमेंट के बने पक्की छतवाले घर

   (iv) घास–फूस के बने घर

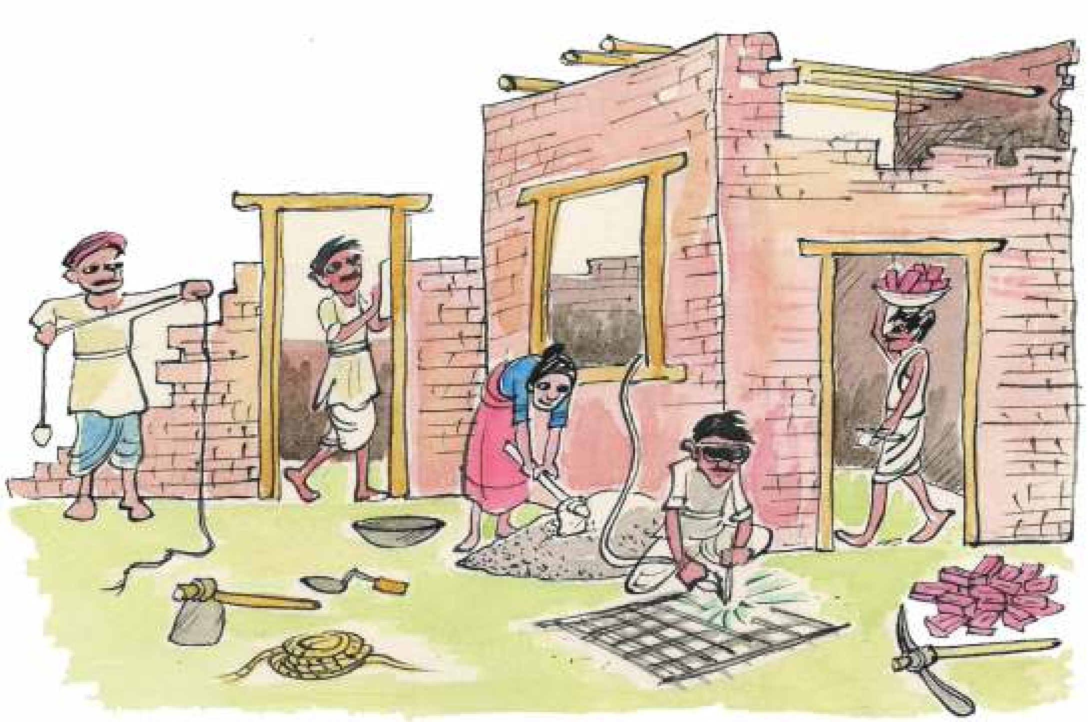

2. इन घरों को बनाने के लिए कौन–कौन सी सामग्री की ज़रूरत पड़ती है?

———————————————————————————

———————————————————————————

———————————————————————————

3. (i) घर बनाने में किन–किन लोगों की मदद की ज़रूरत होती है?

———————————————————————————

———————————————————————————

(ii) घर बनाने में कौन–कौन से औज़ार काम आते हैं?

———————————————————————————

———————————————————————————

4. घर को मज़बूत बनाने के लिए क्या–क्या किया जाता है?

———————————————————————————

———————————————————————————

———————————————————————————

सोनम दादाजी से बोली, ''क्या आपके समय भी अभी की तरह के घर होते थे?''

दादाजी ने बताया, ''हमारे समय में आज की तरह पक्के घर कम देखने को मिलते थे। बहुमंज़िला इमारतें तो होती ही नहीं थीं। हमारे समय में मिट्टी और खपरैल के घर होते थे।''

पवन बोला, ''अरे हाँ! मैं जब गर्मी की छुट्टियों में चाचाजी के पास पटना गया था तो बहुत सारी बहुमंज़िला इमारतें देखीं। दादाजी ने बताया कि ऐसी बहुमंज़िला इमारतें जिनमें लोग रहते हैं, उन्हें 'अपार्टमेन्ट' कहा जाता है। ऐसी बहुमंज़िला इमारतों के अंदर दो–तीन कमरों के कई छोटे–छोटे घर होते हैं।''

तभी पवन बोला, ''चाचाजी चौथे तल्ले के फ्लैट में रहते हैं। यह घर मुझे ज़रा भी पसंद नहीं आता। छत पर जाना मुश्किल और खेलने को भी कोई जगह नहीं।

सोनम बोली, ''शहरों में इस प्रकार की बहुमंज़िला इमारतें बनाने की आवश्यकता क्यों पड़ती है?''

5. **आप भी सोचिए और लिखिए।**

____

____

____

____

____

दादाजी ने बताया कि विभिन्न जगहों पर बनाए जानेवाले घर वहाँ के मौसम और वहाँ उपलब्ध सामग्री के अनुरूप होते हैं। उन्होंने एक किताब में जगह–जगह मिलनेवाले घरों के चित्र दिखाए। सोनम ने पूछा, ''दादाजी, ऐसे घर कहाँ–कहाँ मिलते हैं?

6. **आप भी अपने शिक्षक से पता कर लिखिए।**

____

____

बर्फीले प्रदेशों में जहाँ चारों ओर बर्फ–ही–बर्फ होती है न पत्थर न ही ईंट और न ही मिट्टी। यहाँ बर्फ की सिल्लियों के घर बनाए जाते हैं। इन घरों को ''इग्लू'' कहते हैं। इन घरों की दीवारें अंदर से छूने पर ठंडी तो लगती हैं, पर वे बाहर गिरती बर्फ और ठंडी हवा को अंदर नहीं आने देती हैं।

करके देखिए

आप भी अपना मिट्टी का घरौंदा बना सकते हैं। इसके लिए आप नीचे लिखी सामग्री इकट्ठा कीजिए और दिए गए निर्देशों के अनुसार करते जाइए।

आओ, ईंट बनाएँ

आपको जरूरत होगी– दियासलाई के दो खाली डिब्बे, मिट्टी, ज़मीन पर बिछाने के लिए अखबार, मग, पानी और बाल्टी।

मिट्टी में पानी मिलाकर सानिए। सानने पर मिट्टी ऐसी हो कि आप उसे हाथ में रखकर आकार दे सकें। अब नीचे चित्रानुसार दियासलाई के डिब्बे में मिट्टी भरकर ईंट बना लीजिए।

ऐसी कम–से–कम 10–15 ईंटें बना लीजिए। अब इन ईंटों को धूप में सूखने दीजिए।

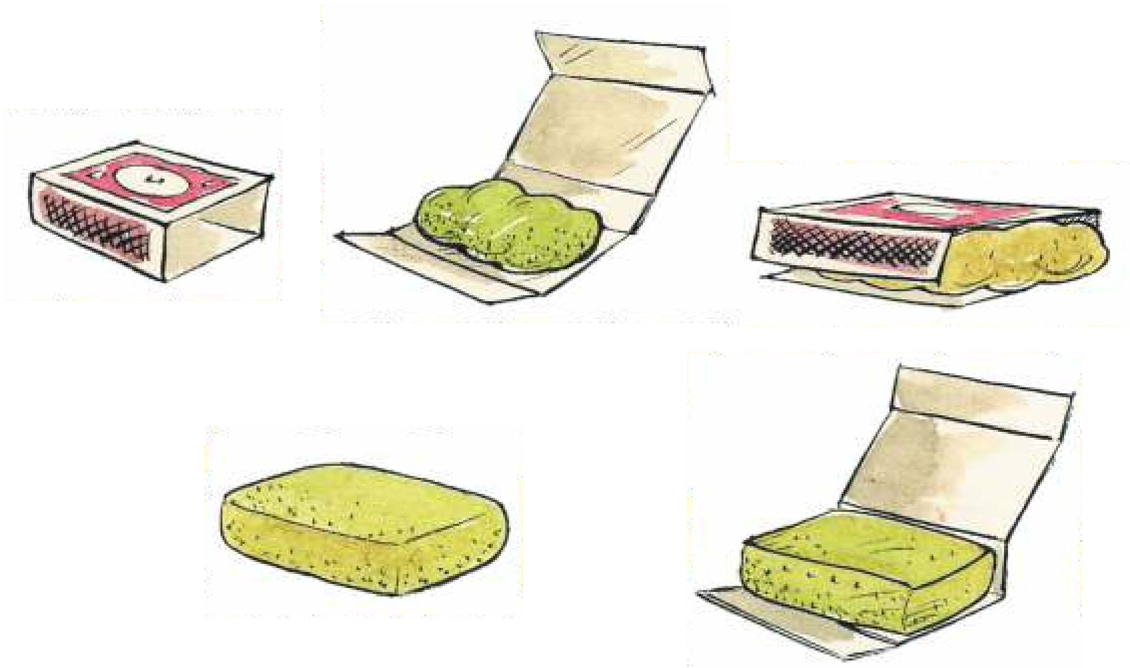

7. आप किसी ईंट के भट्ठे पर जाइए और पता लगाइए–

   (i) ईंट बनाने के लिए किस तरह की मिट्टी की ज़रूरत होती है?

   ____

   (ii) लोग ईंट कैसे बनाते हैं?

   ____

   ____

   ____

(iii) ईंट को मज़बूत बनाने के लिए क्या–क्या करते हैं?

____

____

आओ दीवार बनाएँ

अपनी और अपने दोस्तों द्वारा बनाई गई सभी ईंटें इकट्ठा कीजिए। उन्हें जोड़–जोड़कर एक दीवार बनाइए। किस तरह ईंट जोड़ने से दीवार ज़्यादा मज़बूत होगी।

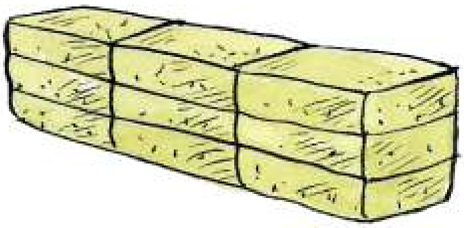

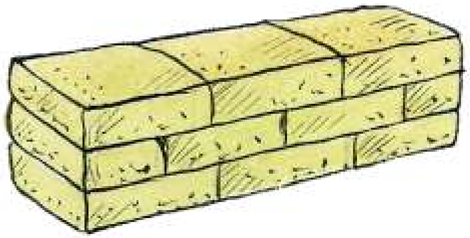

8. किसी मिस्त्री के पास जाकर पता कीजिए कि जब वो दीवार बनाता है तो उसकी मज़बूती के लिए वह क्या–क्या करता है?

____

____

अपना घरौंदा बनाइए

ऊपर आपने एक दीवार बनाई है। इसी तरह अपने घरौंदे की अन्य दीवारें भी बनाइए। घरौंदे में खिड़की दरवाज़ा रखना मत भूलिएगा। अब अपने घर की छत बनाने की कोई तरकीब ढूँढिए।

पाठ 22

अजय जब गाँव लौटे

लगभग तीस वर्षों के बाद आज अजय अपने पैतृक गाँव खुटकट लौटे हैं। यह गाँव जमुई जिला मुख्यालय से 22 किलोमीटर दूर है। इसी गाँव में दादाजी के साथ उनका बचपन बीता है। वे जब 12 वर्ष के थे तब पिताजी के साथ पढ़ाई करने के लिए बोकारो चले गए थे ।

अजय अपने गाँव आकर काफी प्रसन्न और आश्चर्यचकित हैं। उनके समय में गाँव की गलियाँ कच्ची थीं और घर मिट्टी एवं खपरैल के बने थे। कुछ लोग फूस की झोंपड़ियाँ बनाकर भी रहते थे। शौचालय के लिए लोग नदी किनारे या खुले मैदानों, खेतों में जाते थे ।

बताइए –

1. आपके दादा–दादी या आपके बड़े जब आपकी उम्र के थे तब –

(i) वे कहाँ रहते थे ?

____

(ii) उनका घर किन किन चीज़ों से बना था ?

____

(iii) क्या उनके घर में शौचालय था ?

____

(iv) उनके घर में खाना कहाँ बनता था ? उसे क्या कहा जाता था ?

____

(v) जलावन (ईंधन) के रूप में क्या क्या इस्तेमाल होता था ?

____

(vi) क्या घर में पूजा के लिए कोई निश्चित जगह होती थी ? उसे किस नाम से जाना जाता था ?

____

अजय की यादें ताज़ा होने लगीं। बाग–बगीचे, खेत–खलिहान याद आने लगे। समय तेजी से बदला। बाहर की तरह गाँवों के घर भी पक्की ईंटों से बन गए हैं। छत भी सीमेंट की है। रसोईघर बड़ा हो गया और घर में शौचालय भी है।

2. आप किसी पक्की ईंट से बने घर को जाकर देखिए । पता कीजिए –

(i) इस प्रकार के घरों को बनाने में किन किन सामग्रियों का प्रयोग किया गया है?

————————————————————————————————

(ii) क्या घर में शौचालय है? यह किस प्रकार काम करता है ?

————————————————————————————————

————————————————————————————————

(iii) शौचालय की सफाई कौन करता है?

————————————————————————————————

(iv) खुले में शौच जाने से क्या–क्या नुकसान हो सकते हैं ?

————————————————————————————————

3. पहले और आज के घरों में काफी अंतर आ गया हैं। उन अंतरों को अपने शिक्षक की मदद से लिखिए –

क्र.स.	क्षेत्र	आज से 30–40 वर्ष पहले का घर	आज का घर
1.	बरामदा		
2.	दीवार		
3.	छत		
4.	शौचालय		
5.	पूजाघर		
6.	रसोईघर		
7.	कमरा		
8.	खिड़कियाँ		
9.	आँगन		
10.	मंजिल		

4. घर बनाने में विभिन्न प्रकार की सामग्रियों का उपयोग होता है ? कुछ सामान तैयार होकर बाहर से आता है और कुछ सामग्रियाँ वहीं पर स्थानीय रूप से तैयार की जाती हैं। आइए, उसकी एक सूची बनाइए –

(i) स्थानीय रूप से बननेवाले ____________________________

____

____

(ii) बाहर से आनेवाली ______________________________________

____

____

5. अपने आस–पास में जहाँ मकान निर्माण का काम चल रहा हो वहाँ जाकर पता लगाइए–

(i) दीवार कैसे बनती है ?

____

____

____

(ii) घर की दीवार/ छत बनाने वाले कारीगर को क्या कहते हैं ?

____

____

(iii) राजमिस्त्री मकान बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के उपकरणों का प्रयोग करता है ? उनके नाम लिखिए–

______________ ______________ ______________

______________ ______________ ______________

______________ ______________ ______________

(iv) मकान बनाने में कई लोग काम करते हैं, फिर भी राजमिस्त्री एक मुख्य कामगार है। क्या राजमिस्त्री सिर्फ मकान ही बनाता है या अन्य चीज़ों का भी निर्माण करता है ? जरा सोचिए –

______________ ______________ ______________

______________ ______________ ______________

______________ ______________ ______________

आज अजय अपने गाँव आकर सोच रहे हैं, बाँस से बनी चचरी पुल क्या अब भी है? वे अपने विद्यालय इसी चचरी पुल को पार कर जाते थे। गाँव के लोगों ने बताया कि आज उसकी जगह पक्के पुल बन गए हैं।

बाँस से बना पुल

ईंट–सीमेंट से बना पुल

6. आपके आस–पास भी कोई पुल–पुलिया अवश्य होगा। उसे जाकर देखिए और बताइए।

(i) ईंट के पुल को सहारा किस चीज़ से दिया गया है ?

____

____

(ii) उसकी मोटाई का अनुमान कर लिखिये ?

____

____

(iii) ईंट का पुल बाँस के पुल से किस तरह अलग है ?

____

____

(iv) बाँस के पुल को एक समय में कितने लोग पार कर सकते हैं?

____

____

(v) आपको कौन सा पुल पारकर जाना ज्यादा अच्छा लगेगा? क्यों ?

____

____

(vi) क्या आपने अन्य प्रकार के पुल को कभी पार किया है ? वह आपको कैसा दिखाई दे रहा था ?

____

____

(vii) अपने दादा–दादी या बड़े–बुजुर्गों से पता कीजिए कि उनके बचपन में पुल कैसे होते थे?

____

____

हावड़ा ब्रिज

पटना का चिरैयाटाँड़ ओवरब्रिज

राजगीर का रज्जु मार्ग

गंगा नदी पर बना महात्मा गाँधी सेतु

7. इन चित्रों के संबंध में अपने शिक्षकों से बातचीत कर जानकारी प्राप्त कीजिए और बताइए–

(i) क्या सभी प्रकार के पुल के पायों (पीलर) में ईंटों का ही प्रयोग होता हैं ? यदि नहीं तो उन सामग्रियों के नाम लिखिए।

____

____

(ii) पुल कहाँ– कहाँ बनाया जा सकता है ?

____

____

(iii) आपने कितने तरह के पुल–पुलियों को देखा है ? उनके नाम लिखिए।

____

____

(iv) सोचिए, अगर पुल–पुलिया नहीं होता तो क्या–क्या परेशानियाँ होतीं ?

अजय पुल पारकर बाजार जानेवाली मुख्य सड़क पर आए। उन्होंने देखा डेढ़ किलोमीटर के बीच बाग–बगीचे की जगह अब ईंट के चिमनी भट्टे खुल गए हैं। कच्ची ईंट बनाई जा रही हैं। आठ–दस चिमनियों से काला धुआँ लगातार निकल रहा था। चिमनी के आस–पास एवं सड़क पर चिमनी से निकली धूल, धुआँ, और राख उड़ रहे थे। ट्रैक्टर के टेलर से खुले में ही मिट्टी, रेत और ईंटों को ढोया जा रहा था। सड़क पर चलना कठिन हो रहा था । उन्होंने अपने नाक और मुँह पर रूमाल रख लिया और बाज़ार की ओर चल दिए।

8. बताइए–

(i) ईंट पकाने में कम से कम धुआँ निकले, इसके लिए क्या किया जाना चाहिए?

(ii) इन धूल और धुआँ का वहाँ के निवासियों पर कम से कम प्रभाव पड़े, इसके लिए क्या क्या किया जाना चाहिए?

(iii) घनी आबादी के बीच ईंट चिमनी खोलना क्या उचित है ?

(iv) चिमनी भट्ठा कैसी जगह पर बनाना चाहिए ?

____

____

____

(v) चिमनी भट्ठे पर बहुत सारे बच्चे अपने माता–पिता के साथ काम करते रहते हैं और विद्यालय नहीं आते हैं। उनके बारे में आप क्या सोचते हैं?

____

____

____

(vi) क्या उन्हें काम करते रहना चाहिए या विद्यालय भी आना चाहिए?

____

____

____

(vii) यदि वे विद्यालय नहीं आते हैं तो आप क्या कर सकते हैं?

____

____

____

परियोजना कार्य

(i) राजमिस्त्री के उपकरण तथा भवन निर्माण में उपयोग में आनेवाले सामग्रियों का चित्र बनाइए।

(ii) ईंट, दिवाल, पुल–पुलिया का रेखांकन कीजिए।

(iii) मिट्टी बालू से खिलौने, पुल, घरौंदा आदि का निर्माण कीजिए।

(iv) आस–पास से एक ईंट लीजिए और उसके माप तौल लिखिए।

लम्बाई——————————से0 मी0 चौड़ाई ——————————से0 मी0

मोटाई ——————————से0 मी0 वजन ————————किलोग्राम ———— —ग्राम

(v) एक पर एक रखी छह ईंटों की कुल ऊँचाई कितनी होगी

——————————फीट ——————————इंच

(vi) इनकी कीमत पता कीजिए

क. 1000 ईंट ——————————————————————————

ख. 1 बोरी सीमेन्ट ——————————————————————————

ग. 1 क्विन्टल छड़ ——————————————————————————

घ. 1 बाँस ——————————————————————————

ङ. 1 कुदाल ——————————————————————————

च. 1 ट्रैक्टर रेत ——————————————————————————

पाठ 23

आस-पास की खोज-खबर

पूजा के समय अगरबत्ती जलाते हैं, उसकी गंध आपको कैसी लगती है? ——————————

गाँव में भोज हुआ। पत्तल और बचा हुआ खाना बगल की नाली में फेंक दिया गया। वह सड़ गया। यह गंध आपको कैसी लगती है? ——————————————————————

तरह–तरह की गंध

अलग–अलग चीज़ों की अलग–अलग गंध होती है। और कुछ चीज़ों से तो कुछ गंध नहीं आती।

1. नीचे बनी सारणी को वस्तुओं की गंध के आधार पर पूरा कीजिए।

क्र.सं.	वस्तु का नाम	गंधहीन वस्तु	गंधवाली वस्तु
1.	लहसुन		
2.	पानी		
3.	चॉक		
4.	पहना हुआ मोज़ा		
5.	पेंसिल		

2. क्या आप विभिन्न प्रकार की चीज़ों को उनकी गंध के आधार पर पहचान सकते हैं? नीचे बनी सारणी में भरिए कि आप कौन से फूलों, फलों, पौधों, पशुओं और पक्षियों को उनकी गंध के आधार पर पहचान सकते हैं?

क्र.सं.		जिन्हें आप पहचान सकते हैं
1.	फूल	
2.	फल	
3.	पौधे	
4.	पशु	
5.	पक्षी	

तरह–तरह की आवाज़ें

रात के अंधेरे में आपको मच्छर का पता कैसे लगता है? ––––––––––––––––––––––

हम अपने आस–पास कई तरह की आवाज़ें सुनते हैं। मधुर आवाज़ें सुनकर हम आनंदित होते हैं और कर्कश आवाज़ें या शोर सुनकर हम कान बंद कर लेते हैं।

3. (i) नीचे बनी सारणी में लिखिए कि आपको कौन सी आवाज़ें मधुर लगती हैं और कौन सी कर्कश?

क्र.सं.	मधुर आवाज़	कर्कश आवाज़
1.		
2.		
3.		
4.		
5.		

(ii) नीचे लिखी क्रियाओं के होने पर हमें कैसी आवाज़ें सुनाई देती हैं?

क्र.सं.	क्रिया	आवाज़
1.	टीन की छत पर पानी की बूँद गिरने पर	टप–टप–टप
2.	बादल के गरजने पर	
3.	घड़ी के चलने पर	
4.	स्कूल की घंटी	
5.	हवा से हिलती हुई पत्तियों की आवाज़	
6.	ताली बजाने पर	
7.	फर्श पर थाली गिरना	

4. इसी प्रकार विभिन्न प्रकार के पशु–पक्षियों को भी आप बिना देखे उनकी आवाज़ से पहचान जाते हैं? सारणी में लिखे पशु–पक्षियों की आवाज़ें लिखिए।

क्र.सं.	पशुओं का नाम	आवाज	पक्षियों का नाम	आवाज़
1.	मुर्गा	कुकड़ूँकू	कौआ	काँव–काँव
2.	कुत्ता		चिड़िया	
3.	बकरी		कबूतर	
4.	गधा		तोता	
5.	बिल्ली		कोयल	

तरह–तरह के स्पर्श

हम बहुत सारी चीज़ों को गंध और आवाज़ के आधार पर पहचान पाते हैं। इसी प्रकार छूने से भी बहुत–सी बातों का पता चलता है। आपका हाथ जब लैम्प से सटता है तो आपको गर्म लगता है और आइसक्रीम ठंडी।

5. नीचे की सारणी में कुछ वस्तुओं के गुण दिए गए हैं। आप किन चीज़ों को छूकर इन गुणों का पता लगा सकते हैं?

क्र.सं.	वस्तु का गुण	वस्तुओं के नाम				
1.	गर्म					
2.	ठंडा					
3.	सूखा					
4.	गीला					
5.	चिकना					
6.	खुरदरा					
7.	लसलसा					
8.	नरम					
9.	कठोर					

6. (i) आप अपने दोस्त की आवाज़ को भीड़ में भी पहचान लेते होंगे। अपने किसी दोस्त की आँख पर रूमाल से पट्टी बाँध दीजिए। बारी–बारी से चार अन्य दोस्तों को विभिन्न दिशाओं से उसका नाम पुकारने और ताली बजाने के लिए कहिए। सही पहचाने जानेवाले दोस्त और दिशा को इस प्रकार अंकित कीजिए।

क्र.सं.	दोस्त का नाम	दोस्त की आवाज़	ताली की आवाज़	
		सही/गलत	दिशा	सही/गलत
1.	अशोक	✓	पूरब	✓
2.				
3.				
4.				
5.				

7. इस गतिविधि को आप पुनः किसी अन्य दोस्त की आँखों पर पट्टी बाँधकर कीजिए। अब आप बताइए–

(ii) क्या आपको आवाज़ और दिशा पहचानने में कठिनाई हुई? ————————

(iii) अगर आपकी उम्र का कोई बच्चा बिल्कुल देख नहीं सकता हो, तो उसे क्या कठिनाइयाँ होती होंगी?

————————————————————————————————

(iv) अगर, कोई ऐसा बच्चा आपके स्कूल आता हो, तो आप उसकी कैसे मदद कर सकते हैं?

————————————————————————————————

————————————————————————————————

(v) क्या खेल के मैदान में आप ऐसे बच्चों के साथ खेलते हैं या उन्हें खेल से बाहर बैठा देते हैं? अगर किसी कारण से आपको खेल के मैदान से बाहर बैठना पड़े तो आपको कैसा लगता है?

————————————————————————————————

————————————————————————————————

सुनो कहानी रामपुर शाहाबाद के रहनेवाले पद्मश्री भरत मिश्र की। बचपन में उनकी आँखों की रोशनी चली गई। अगल–बगल के लोग कहने लगे अब इसकी ज़िन्दगी भी भीख माँगते गुज़रेगी। भरत मिश्र की दादी ने बड़े ही आत्मविश्वास से कहा, ये नहीं, लोग इससे भीख माँगेंगे। दादी ने गाँव के ही विद्यालय में इनका नाम लिखवा दिया। भरत मिश्र को पढ़ने में लगन लग गई। आगे की पढ़ाई के लिए उनका नाम पटना दृष्टिबाधित विद्यालय में लिखवाया गया। अपनी मेहनत और प्रतिभा की बदौलत उन्होंने न केवल मैट्रिक और इन्टर किया बल्कि राजनीति विज्ञान से एम.ए. और पीएच.डी. भी की। पीएच.डी. करने के बाद बहुत सारे विश्वविद्यालयों में उन्होंने व्याख्याता बनने के लिए आवेदन दिया। नौकरी देनेवाले लोग उनकी आँखें न रहने से हिचक जाते थे। ऐसे ही संघर्ष के समय वे भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति वराहगिरि वेंकट गिरि से मिले। राष्ट्रपति भरत मिश्र से मिलकर काफी प्रभावित हुए। उनकी पहल पर मगध विश्वविद्यालय में प्रोफेसर बने। उनसे पढ़नेवाले विद्यार्थी कहते हैं कि वे भारतीय संविधान के जाने–माने विद्वान् थे। उनकी विद्वत्ता से महाविद्यालय के छात्र एवं अध्यापक सभी प्रभावित थे। बहुमुखी प्रतिभा के धनी भरत मिश्र का सामाजिक एवं समसामयिक समस्याओं पर प्रायः रेडियो से व्याख्यान प्रसारित होता रहता था। इनके मार्गदर्शन में सोलह विद्यार्थियों ने पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की। जब इन्होंने अपनी शादी के लिए अखबारों में विज्ञापन दिया तो 59 प्रस्ताव आए, जिसमें एक प्रस्ताव डा. धीरा मिश्र का भी था, जो इनकी सुयोग्य जीवनसंगिनी बनीं।

भरत मिश्र की कार्यक्षमता को देखते हुए 1979 में भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति नीलम संजीव रेड्डी ने इन्हें श्रेष्ठ निःशक्त कर्मचारी का पुरस्कार दिया तथा 1985 में राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह के द्वारा इनको पद्मश्री से अलंकृत किया गया। निःसंदेह अंधत्व भरत मिश्र के लिए कभी बाधा नहीं बनी।

ऐसे निःशक्त व्यक्ति को आपकी दया नहीं बल्कि प्रोत्साहन की आवश्यकता होती है। इन्हें कार्यों को करने के लिए तैयार करने की ज़रूरत है।

8. नीचे बनी सारणी में इन लोगों के नाम जिन्होंने अपनी निःशक्तता के बावजूद बड़े–बड़े काम किए हैं? लिखिए।

क्र.स.	व्यक्ति का नाम	निःशक्तता का प्रकार	उपलब्धि
1.	सुधा चंद्रन	पैर कटा हुआ,	नृत्यांगना एवं अभिनेत्री
2.			
3.			
4.			
5.			

9. आपके आस–पास यदि इस प्रकार के व्यक्तित्व हों तो उनके संबंध में चार–पाँच वाक्य लिखिए।

____

____

____

मुझे यह अच्छा नहीं लगता

रश्मि और उषा कित–कित खेलकर घर लौट रही थी। रश्मि को प्यास लग आई थी।

''चलो, मेरे घर चलो न, वहीं पानी पी लेना''; उषा ने रश्मि को खींचते हुए कहा।'

'तुम्हारे मामा तो घर नहीं होंगे न। अगर वे होंगे, तो मैं नहीं जाऊँगी', रश्मि ने कहा।

''लेकिन क्यों? मामा को तो तुम अच्छी भी लगती हो। वे तुम्हें मिठाई और चॉकलेट भी देते हैं'' उषा ने कहा।

रश्मि ने मीना से अपना हाथ छुड़ाया और बोली— 'तुम्हारे मामा से मुझे डर लगता है। वे मेरा हाथ पकड़ते हैं, तो मुझे अच्छा नहीं लगता'। यह कहकर रश्मि अपने घर चली गई।

10. बताइए—

(i) क्या आपको भी कभी किसी का छूना बुरा लगा है? किसका छूना आपको अच्छा नहीं लगा?

(ii) अगर आप रश्मि की जगह होते, तो क्या करते?

(iii) ऐसा होने पर और क्या किया जा सकता है?

पाठ 24

चिड़ियाघर की सैर

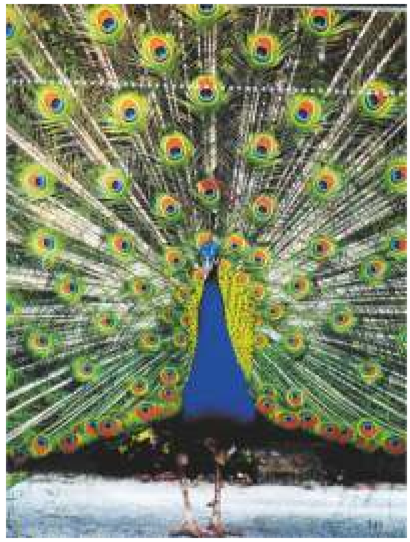

आज मध्य विद्यालय नगदेवा के बच्चे चिड़ियाघर घूमने जा रहे हैं। रेलगाड़ी द्वारा वे जमुई से पटना पहुँचे। फिर टेम्पो पर बैठकर चिड़ियाघर पहुँचे। वहाँ काफी भीड़ थी। उनके साथ आई शिक्षिका दीदी ने टिकट ली और वे सभी अंदर गए।

वहाँ पर हरे–भरे वृक्षों के बीच भिन्न–भिन्न प्रकार के पशु–पक्षी थे– साँप, बंदर, शेर, भालू, बाघ, घड़ियाल, मगरमच्छ, गेंडा आदि। पक्षियों के पिंजरे के पास तो मज़ा ही आ गया। वहाँ एक मोर पंख फैलाकर नाच रहा था। सभी बच्चे एक–टक उसका नाच देखने लग गए। नीनू बोल उठी – हमने अपनी पर्यावरण की किताब में पढ़ा था कि मोर हमारा राष्ट्रीय पक्षी है।

1. (i) मोर कब नाचता है?

____

(ii) मोर के पंखों में कौन–कौन से रंग होते हैं?

____

____

(iii) क्या मोर ऊँचा उड़ सकता है? ______________________________

(iv) मोर क्या–क्या खाता है?

____

____

मोर का नाच देखकर बच्चे आगे बढ़े। तभी उन्हें एक बाघ के गरजने की आवाज़ आई। सब आवाज़ की ओर दौड़े।

2. (i) नीचे लिखे कौन से शब्द बाघ के लिए प्रयोग किए जा सकते हैं?

(अ) शक्तिशाली (ब) आलसी (स) कमज़ोर (द) स्फूर्तिपूर्ण

(ii) बाघ हमारे देश में कहाँ–कहाँ पाए जाते हैं? पता कीजिए और लिखिए।

____

____

दीदी ने बताया कि बाघ हमारा राष्ट्रीय पशु है। किन्तु, आज इसकी संख्या काफी कम हो गई है। अगर यही स्थिति रही तो बाघ हमें सिर्फ तस्वीरों में ही दिखाई पड़ेंगे।

(iii) आपको क्या लगता है कि बाघों की संख्या कम क्यों होती जा रही है ?

____

____

चिड़ियाघर में घूमते–घूमते सभी तालाब के किनारे पहुँचे। वहाँ लोग नाव की सैर का मज़ा ले रहे थे।

राहुल बोला– उधर देखो, कितने सुंदर कमल के फूल खिले हैं।

दीदी बोली– जब हम पावापुरी घूमने गए थे तो वहाँ मैंने आप सबको कमल के बारे में बताया था।

3. **अब आप बताइए–**

(i) हमारे राष्ट्रीय फूल का क्या नाम है? ——————————————

(ii) यह किस रंग का होता है?——————————————

(iii) इसके फूल और पत्तों का क्या उपयोग है?

——————————————————————————

——————————————————————————

बच्चे घूमते–घूमते थक चुके थे। वे सब आराम करने लगे। तभी वन विभाग द्वारा लगाए गए सूचना पट्ट पर काजल की नज़र गई। इसमें ऊपर में बीचों–बीच तीन मुँहवाली शेर की आकृति बनी हुई थी।

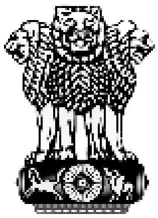

सत्यमेव जयते

उसकी ओर इशारा करते हुए काजल बोली– दीदी यह क्या है?

दीदी ने बताया कि यह चित्र हमारा राष्ट्रीय चिह्न है। यह कई सरकारी कागजों और सरकारी स्थानों पर पाया जाता है। यह सारनाथ में राजा अशोक द्वारा बनाए गए एक स्तंभ से लिया गया है। चित्र में हमें तीन शेर दिख रहे हैं। वास्तव में इस चिह्न में चार शेर हैं, एक पीछे की ओर है। बच्चो, इसके नीचे लिखा है– 'सत्यमेव जयते'। जिसका अर्थ होता है– 'सत्य' की हमेशा विजय होती है।

4. (i) इस चित्र को आपने कहाँ–कहाँ देखा है?

———————— ———————— ————————

———————— ———————— ————————

(ii) राष्ट्रीय चिह्न के नीचे एक पट्टी है। इसे ध्यान से देखिए और बताइए उस पर क्या–क्या बना है?

——————————————————————————

——————————————————————————

तीन बजनेवाले थे। बच्चों ने वहाँ के जलपान–गृह में समोसा खाया और पानी पिया। किसी की जाने की इच्छा तो नहीं हो रही थी लेकिन, रेलगाड़ी का समय हो रहा था। सभी बस में बैठकर स्टेशन की ओर चल दिए।

रास्ते में आस्था की नज़र एक भवन पर फहरा रहे तिरंगे झंडे पर पड़ी। वह बोली– दीदी यह कौन–सा भवन है। यहाँ पर झंडा क्यों फहरा रहा है? आज न तो पन्द्रह अगस्त है और न ही छब्बीस जनवरी।

दीदी– यह भवन 'सचिवालय' है। यहाँ पर मंत्रियों के कार्यालय हैं और सरकारी काम–काज होता है। यहाँ पर प्रतिदिन तिरंगा फहराया जाता है।

बस अब 'शहीद स्मारक' होते हुए स्टेशन पहुँच गई। ट्रेन में दीदी और बच्चे बातचीत करने लगे।

5. (i) राष्ट्रीय झंडे को तिरंगा क्यों कहा जाता है?

————————————————————————————————

————————————————————————————————

(ii) हमारे देश के झंडे में कौन से रंग हैं?

(अ) ऊपर की पट्टी में ——————————————————

(ब) बीच की पट्टी में ——————————————————

(स) नीचे की पट्टी में ——————————————————

(iii) तिरंगे में नीले रंग का एक चक्र भी होता है। आप गिनकर बताइए कि चक्र में कितनी तीलियाँ होती हैं?

————————————————————————————————

(iv) चक्र किस पट्टी पर है? ——————————————————

मनोज– हमने ये रंग क्यों चुने? दीदी ने इस प्रकार का एक चित्र बनाया और समझाया कि प्रत्येक रंग का हमारे लिए अर्थ है–

रंग	अर्थ
केसरिया	साहस और बलिदान
सफेद	सत्य और शांति
हरा	खुशहाली और समृद्धि

चक्र देश की प्रगति और परिवर्तन का प्रतीक है।

(v) अपने स्कूल और आस–पास देखकर बताइए, आपको भारत का झंडा या उसका चित्र कहाँ–कहाँ देखने को मिल रहा है?

____

____

(vi) आपके स्कूल में झंडा कब–कब फहराया जाता है?

____

____

(vii) तभी आशा बोल पड़ी तो क्या राष्ट्रीय झंडा फहराने के कुछ नियम हैं? सभी बच्चे आपस में इन नियमों के बारे में बात करने लगे। आप भी अपने साथियों और शिक्षक के साथ चर्चा कीजिए और लिखिए।

____

____

____

____

दीदी ने बच्चों से पूछा कि हम राष्ट्रीय झंडा फहराते समय क्या–क्या करते हैं? बच्चों ने बताया–राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत गाते हैं।

हमारा राष्ट्रगान

जन–गण–मन अधिनायक जय हे,
भारत भाग्य विधाता।
पंजाब, सिंध, गुजरात, मराठा,
द्राविड़, उत्कल, बंग।
विंध्य, हिमाचल, यमुना, गंगा,
उच्छल जलधि तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मागे,
गाहे तव जय गाथा।
जन–गण मंगलदायक जय हे,
भारत भाग्य विधाता।
जय हे। जय हे। जय हे। जय जय जय जय हे।

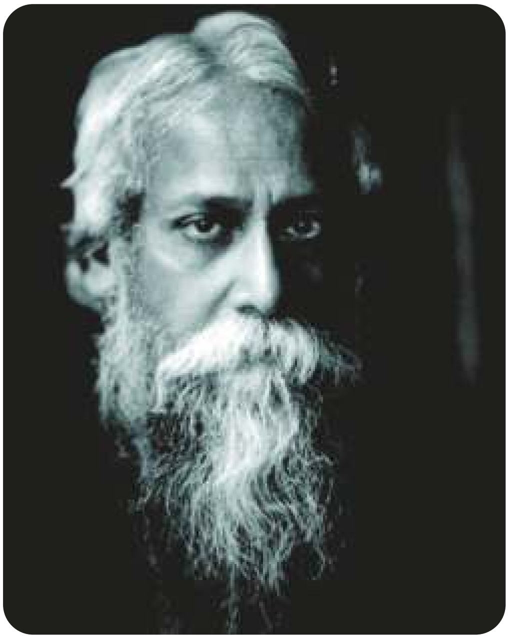

रवीन्द्रनाथ टैगोर

6. (i) इस गान में कुछ राज्यों, पर्वतों और नदियों के नाम आए हैं, उनके नाम लिखिए।

(अ) राज्यों के नाम ——————————————————

(ब) पर्वतों के नाम ——————————————————

(स) नदियों के नाम ——————————————————

(ii) राष्ट्रगान गाते समय किन बातों का ध्यान रखा जाता है?

——————————————————————————

——————————————————————————

——————————————————————————

(iii) हमारा राष्ट्रगान किसने लिखा है?

——————————————————————————

हमारा राष्ट्रगीत

वन्दे मातरम्।।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्य–श्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्।।
शुभ्र– ज्योत्स्ना–पुलकित–यामिनीम्,
फुल्ल–कुसुमित–द्रुमदल–शोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुरभषिणीम्,
सुखदां, वरदां, मातरम्।
वन्दे मातरम्।।

बंकिमचन्द्र चटर्जी

वन्दे मातरम् गीत बंकिमचन्द्र चटर्जी द्वारा लिखा गया। यह गीत स्वतंत्रता आन्दोलन में स्वतंत्रता सेनानियों के लिए देशभक्ति का प्रतीक बन गया था।

7. इनके अलावा भी हमारे कुछ अन्य राष्ट्रीय प्रतीक हैं। उनके नाम पता कीजिए।

(i) राष्ट्रीय खेल ——————————————————

(ii) राष्ट्रीय नदी ——————————————————

(iii) राष्ट्रीय जल–जीव ——————————————————

रेलगाड़ी जमुई रेलवे स्टेशन पहुँचनेवाली थी। तभी आकाश ने कहा– चिड़ियाघर की सैर भी हो गई और राष्ट्रीय प्रतीकों के बारे में भी जान लिया।

परियोजना कार्य

आप एक चार्ट पेपर लीजिए। उस पर सभी राष्ट्रीय प्रतीकों का चित्र बनाइए या चिपकाइए।

8. अपने माता–पिता से 10,20 या 50 रू० का नोट लेकर ध्यान से देखिए और बताइए –

(क) नोट पर कौन–कौन सा राष्ट्रीय प्रतीक अंकित है?

....

....

(ख) राष्ट्रीय प्रतीक के अतिरिक्त नोट पर और किस चीज़ के चित्र बने हैं?

....

....

(ग) नोट के ऊपर में कितनी भाषाएँ लिखी हुई हैं? शिक्षक की मदद से उन भाषाओं के नाम पता लगाइए।

....

....

(ध) प्रत्येक नोट पर रुपये के मूल्य के अतिरिक्त भी कुछ संख्याएँ लिखी होती हैं। इन्हें ध्यान से देखिए और मिलाइये। क्या सभी नोटों पर लिखी ये संख्याएँ समान हैं?

....

....

पाठ 25

बंटी का सफर

सीमा और बंटी अपने माता–पिता के साथ बड़ा दिन की छुट्टियों में राँची जानेवाले हैं। उनका घर दानापुर है जो पटना के निकट गंगा नदी की धारा के दो भागों में बँट जाने से उभरे दियारे की ज़मीन पर बसा है। सीमा ने माँ को सामान बाँधने में मदद किया तो बंटी ने पिताजी के साथ रास्ते का नाश्ता बनाया। चलने के पहले पिताजी ने पूछा–क्या सारा जरूरी समान रख लिया गया है ?

माँ ने कहा– कपड़े लत्ते, खाना, पानी, दवाइयाँ, रुपये–पैसे, फोटो पहचान पत्र, ब्रीफकेस एवं बैग की ताला–चाभी आदि हमलोगों ने रख ली है।

सीमा ने कहा– जितना भी सामान हमलोग ले जा रहे हैं उसकी मैंने एक सूची भी बना ली है।

1. अगर आपको कहीं घूमने जाना हो तो आप अपने साथ क्या–क्या सामान ले जायेंगे ?

_______________ _______________ _______________

_______________ _______________ _______________

_______________ _______________ _______________

2. क्या यात्रा पर जाने से पूर्व हमें अपने सामानों की सूची बनानी चाहिए या नहीं ? अपने मित्रों के साथ चर्चा कर बताएँ।

____

____

सीमा, बंटी और उसके माता–पिता अपने–अपने सामान लेकर नदी की घाट तक आए। वहाँ से नाव के द्वारा नदी पार कर दानापुर पहुँचे। बस पड़ाव से टेम्पो के द्वारा पटना जंक्शन रवाना हुए। बंटी ने कहा– पटना की सड़कों पर आदमी से ज्यादा रिक्शा, टेम्पो, स्कूटर, मोटर साइकिल, जीप, कार आदि की भीड़ है।

सीमा बोली– गाड़ियों के शोर एवं धुएँ से मेरा जी घबराने लगा है।

अचानक बंटी उँगलियों से इशारा करते हुए बोला वो देखो यहाँ लड़कियाँ भी फर्राटे से स्कूटर और कार चला रही हैं। जबकि अपने गाँव में तो साइकिल चलाने पर भी लोग लड़कियों को टोकते हैं।

सीमा हैरानी से देखते हुए बोली– यहाँ लड़के तो लड़के, लड़कियाँ भी फुल पैंट, जींस, कमीज, कुर्ता, टीशर्ट पहने तथा हाथ में मोबाइल फोन घुमाते नजर आती हैं। जबकि अपने गाँव में लड़कियाँ फ्रॉक, समीज, सलवार या साड़ी पहनती हैं।

3. आपने अब तक किन–किन वाहनों को देखा है ?

पानी पर चलनेवाला	जमीन पर चलनेवाला	हवा पर चलनेवाला

4. आपके यहाँ लड़के–लड़कियाँ या स्त्री–पुरुष कौन–कौन से कपड़े पहनते हैं?

लड़की/स्त्री	लड़का/पुरुष

5. क्या लड़कियों को साइकिल चलाने पर रोका जाना उचित है ?

———————————————————————————————

टिकट कटाकर सभी लोग प्लेटफार्म पर आ गये थोड़ी देर में पटना–हटिया एक्सप्रेस प्लेटफार्म के पास आकर रुकी। यात्रीगण रेलगाड़ी पर चढ़ने–उतरने के लिए धक्का–मुक्की करने लगे। गाड़ी के अन्दर बैठने के लिए थोड़ी देर तक अफरा–तफरी मची रही। सीमा और बंटी लपककर खिड़कियों के समीप बैठ गये। गार्ड बाबू के हरी झंडी दिखलाते ही गाड़ी सीटी देते हुए चल पड़ी। गाड़ी के

अन्दर काफी गहमा–गहमी थी। कुछ लोग आपस में बातचीत कर रहे तो कुछ लोग अखबार पढ़ने में मशगूल थे। थोड़ी ही देर में काला–कोट एवं उजला पैंट पहने टिकट जाँच करने के लिए टी॰टी॰ई॰ डिब्बे में आया। जिन लोगों के पास टिकट नहीं था, उनसे टी॰टी॰ई॰ ने 250 ⁄ – रुपये जुर्माना के साथ जहाँ तक उन्हें जाना था, उतने रुपये लेकर टिकट बना दिया। बंटी यह देखकर दंग था कि कुछ लोग बिना टिकट कटाये यात्रा करने की कोशिश करते हैं। वह जानता है कि यह एक अपराध है।

6. क्या अपने देखा है रेलगाड़ी के अन्दर किन–किन सामानों की ब्रिकी होती है ?

_______________ _______________ _______________

_______________ _______________ _______________

_______________ _______________ _______________

7. टी॰टी॰ई॰ की तरह गार्ड और चालक की भी निश्चित वेषभूषा होती है। पता कीजिए इनके कपड़े कैसे होते हैं ?

टी॰टी॰ई॰ ____

गार्ड ____

चालक ____

8. बिना टिकट कटाये यात्रा करना चाहिए क्या ? अपने आस–पास पूछ–ताछकर पता लगाइए इससे क्या हानि है ?

____

____

सीमा बंटी के आस–पास ही नीलम–पवन, परमानन्द, रेणु, अर्चना, और विक्रांत बैठे थे। कुछ ही पल में सबकी आपस में दोस्ती हो गई। नीलम ने कहा–हमलोग पटना घुमने आये थे।

सीमा ने पूछा–पटना में आपने किन–किन स्थानों को देखा ?

पवन –हमलोग यहाँ चिड़ियाघर घूमे, जहाँ बहुत तरह के पशु–पक्षी हैं। साथ–ही–साथ गोलघर (पटना सग्रंहालय) भी देखने गये जहाँ अनेक तरह की प्राचीन मूर्त्तियाँ, सिक्के, हथियार, चित्र आदि रखे हैं।

नीलम बोली–हमलोग ने सिक्खों के दसवें गुरु श्री **गुरु गोविन्द सिंह** का जन्म स्थान तख्त हरमंदिर में जाकर अपना मत्था टेका।

परमानन्द–हमलोग गोलघर पर भी चढ़े।

9. आपके निकट कौन–कौन से देखनेवाले स्थान हैं ?

____

____

बातें करते–करते वे लोग गया पहुँच गये।

रेणु बोली– गया एक प्राचीन शहर है। यहाँ का विष्णु–पद और मंगला गौरी मंदिर बहुत प्रसिद्ध है।

परमानन्द ने कहा– गया से ही सटे बोधगया है। जहाँ बौद्ध धर्म के सस्ंथापक भगवान बुद्ध के बड़े–बड़े मंदिर हैं। ऐसी मान्यता है कि भगवान बुद्ध को यहीं एक पीपल पेड़ के नीचे ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। गया से गाड़ी खुली तो सूखी सी फल्गु नदी दिखाई दी जिसपर बने पुल पर भारी गड़गड़ाहट के साथ गाड़ी गुजर रही थी, जंगल, पहाड़ और पठार दिखने लगे थे। कोडरमा से गाड़ी आगे बढ़ी तो धरती पर कुछ चमकती हुई चीज दिखाई देने लगी सीमा ने पूछा वह क्या दिख रहा है –

10. गुरु गोविन्द सिंह और भगवान बुद्ध के जीवन के बारे में अपने शिक्षकों से पता कीजिए?

____

____

गया से गाड़ी खुली। सूखी–सी फल्गु नदी दिखाई दी, जिस पर बने पुल पर भारी गडगड़ाहट के साथ गाड़ी गुजर रही थी।

जंगल, पहाड़, और पठार दिखने लगे थे। कोडरमा से गाड़ी आगे बढ़ी तो धरती पर कुछ चमकती हुई चीज़ दिखाई देने लगी। सीमा ने पूछा– वह क्या दिख रहा है?

रेणु बोली–वह अबरख है ! कोडरमा में चमचमाते अबरख के खान भरे पड़े हैं।

अचानक सीमा की नजर एक ऊँचे पहाड़ पर पड़ी। जिस पर एक छोटा–सा मन्दिर दिख रहा था। अर्चना बोली– यह पारसनाथ का पहाड़ है, जो बिहार और झारखंड राज्य का सबसे ऊँचा पहाड़ है। इसके ऊपर जैन धर्म के 23वें तीर्थकर पार्श्वनाथ का मन्दिर है।

गाड़ी अब गोमो पहुँचनेवाली थी। विक्रांत ने कहा–यह ऐतिहासिक महत्त्व की जगह है। स्वतंत्रता संग्राम के महान् योद्धा नेताजी सुभाषचन्द्र बोस को अंग्रेजों ने उनके घर में ही कैद कर रखा था। सुभाष चन्द्र बोस उन्हें चकमा देकर कैद से निकल गये और गोमो से फ्रंटियर मेल पकड़कर पेशावर चले गये। बाद में वहाँ से अफगानिस्तान, जर्मनी, जापान होते हुए सिंगापुर पहुँचे तथा आजाद हिन्द फौज की सहायता से अंग्रेजों पर हमला किया।

11. क्या आपने किसी पहाड़ पर चढ़ाई की है ? पहाड़ पर चढ़ते समय हमें किन–किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ?

____

____

12. नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की तस्वीर चार्ट पेपर पर बनाइए या चिपकाइए और उनके संबंध में चार–पाँच वाक्य लिखकर कक्षा में टाँगिए।

सुभाष चन्द्र बोस और उनकी फौज का चित्र

सुभाष चन्द्र बोस

गोमो से गाड़ी खुली, रास्ते में पहाड़ी चट्टानों के बीच से होकर बहती दामोदर नदी दिखाई पड़ी। गाड़ी अपनी गति से आगे बढ़ती हुई बोकरो पहुँची। तभी बंटी ने पूछा यह चिमनियाँ कैसी हैं जिनसे धुआँ निकल रहा है। विक्रांत ने कहा–बोकारो में इस्पात कारखाना है। ये चिमनियाँ उसी की हैं। बोकारो से गाड़ी खुली तो झालदा पहुँची। वहाँ कई यात्री चढ़े, जो बँगला बोल रहे थे।

बंटी की माँ ने कहा, ''झालदा पश्चिम बंगाल में है यहाँ के ज्यादातर निवासी बँगला बोलते हैं। गाड़ी अब राँची पहुँच चुकी थी।''

निशिकान्त और इन्दु उन्हें लेने आए थे। घर जाने के रास्ते में अलग ढंग से साड़ी लपेटे महिलाओं का समूह दिखाई दिया, जो अपनी भाषा में कोई गीत गा रही थीं।

निशिकान्त ने कहा– ये उराँव जनजाति की महिलाएँ हैं। झारखंड में इनके अतिक्ति बिरहोर, मुंडा, संथाल, आदि जनजातियाँ भी रहती हैं। इनकी बोली भी अलग–अलग है। उराँव कुडुख बोलते हैं तो मुंडा मुंडारी और संथालों की भाषा संथाली है।

इन्दु बोली– झारखंड में इसके अतिरिक्त सादरी, नागपुरी, और खोरठा भी बोली जाती है।

बंटी ने कहा– हमारे बिहार में भी काफी भाषाई विविधता है। पटना, गया, नालंदा के लोग मगही बोलते हैं तो वैशाली, मुजफ्फरपुर में बज्जिका। दरभंगा, मधुबनी में मैथिली बोली जाती है तो मुंगेर, भागलपुर में अंगिका। भोजपुर–रोहतास के लोग भोजपुरी बोलते हैं।

13. क्या आपके आस–पास के गाँव के लोग आपकी ही तरह बोलते हैं या कोई अन्तर है पता कीजिए।

———————————————————————————————

———————————————————————————————

———————————————————————————————

छुट्टियों में सीमा–बंटी ने सबके साथ राँची में भारी मशीन का कारखाना, काँके का पागलखाना, नेतरहाट एवं जोन्हा का जलप्रपात देखा। छुट्टियाँ बिताकर वे वापस घर लौटे। इससे वे बहुत खुश थी।

14. अगर आपने कोई यात्रा की है तो उसके संस्मरण कक्षा में सुनाएँ।